de functional and is now being run on 40 meters track in the museum.

(e) and (d). This locomotive is being n for 2 hours every Saturday when a ge number of visitors came to the Rail ansport Museum. As it require very all quantitty of coal even for 8 hours ining, the expenses will be very small. inning it for 8 hours is presently not essary.

(e) and (f) Running display of this omotive is available at Rail Transport useum, Chanakyapuri, New Delhi only.

(g) No, Sir.

(h) Miniature working models of locotives are not presently being manutured in Railway workshops as the ne are not cost effective.

ल्ली से कोटद्वार के बीच सीधा ट्रेन-संपर्क

222.. **श्री राजनाथ सिंह :** क्या रेल त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1993-94 के दौरान कितने ाज्यों को दिल्ली से सीधे ट्रेन सम्पर्कों रा जोड़ा गया है तथा 1994-95 दौरान जोड़े जाने वाले राज्यों की ख्या क्या है तथा तत्संबंधी ब्यौरा क्या ?

(ख) क्या यह सच है कि वर्तमान में दिल्ली और कोटद्वार के बीच कोई ी सीधा ट्रेन सम्पर्क नहीं है तथा इस ारण कोटद्वार जाने वाले यात्रियों को सूरो एक्सप्रेस से यात्रा करनी पड़ती है था उस ट्रेन के निजामा बाद में 2—3 घंटे के ठहराव में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार इन दिक्कतों के मद्देनजर दिल्ली और कोटद्वार के बीच रेल सम्पर्क प्रदान करने पर विचार कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्री (श्री सी०के० जाफर शरीफ) : (क) वर्ष 1993-94 तथा 1994-95 के दौरान, दिल्ली/नई दिल्ली/हजरत निजामुद्दीन से तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, जम्मू और कश्मीर, हरियाणा, बिहार, राजस्थान, पंजाब, असम केरल तथा आन्ध्र प्रदेश के लिए नई गाड़ियां चलायी गई हैं, फिलहाल 1994-95 के शेष भाग के दौरान दिल्ली से नई गाड़ियों द्वारा किसी अन्य राज्य को जोड़ने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

(ख) जी हां, बहरहाल, दिल्ली और कोटद्वार के बीच 4041/4042 मैसूर एक्सप्रेस तथा 1 के एन/8 के एन पैसेंजर में, नजीबाबाद में जोड़ने/हटाने की सुविधा सहित 5 थ्रू सवारी डिब्बे (1 पहला एवं दूसरा, 2 स्लीपर तथा 2 साधारण दूसरा दर्जा) उपलब्ध है,

(ग) और (घ) प्राप्त होने वाले यातायात की मात्रा के लिए उपरोक्त प्रबन्ध पर्याप्त समझे जाते हैं, बहरहाल दिल्ली और कोटद्वार के बीच एक सीधी गाड़ी चलाना, परिचालनिक कठिनाई तथा संसाधनों की तंगी के कारण फिलहाल व्यावहारिक नहीं है,